

कोई नहीं मात पिता के समान भजन लिरिक्स



कोई नहीं मात पिता के समान,
जिनको भूल के हरि को ढूँढे,
जिनको भूल के हरि को ढूँढे,
है कैसा नादान,
कोई नहीं मात पिता के समान lbd।

[देखे – माँ बाप से बढ़कर जग में।](#)

बालपने में इन बाहों ने,
झूला तुझे झुलाया,
खुद तो सोए गीले में आ,
सूखे में तुझको सुलाया,
ममता के आँचल में देखो,
ममता के आँचल में देखो,
कितना मिला आराम,
कोई नहीं मात पिता के समान lbd।

याद करो तुम तुतले मुख से,
बोल कहाँ पाते थे,
तुमको तो चलना कब आता था,
उठकर के गिर जाते थे,
उंगली पकड़कर चलना सिखाया,
उंगली पकड़कर चलना सिखाया,
वाणी का दे दिया ज्ञान,
कोई नहीं मात पिता के समान lbd।

तुमको जरा सी खांसी हुई तो,
वैद हकीम बुलाए,
नजरे उतारी मन्नत मांगी,
देवी देव मनाए,
कितनी रातें जागी उन्होंने,
कितनी रातें जागी उन्होंने,
तुमको नहीं है ज्ञान,
कोई नहीं मात पिता के समान lbd।



अरमानों से ब्याह रचाया,
दुल्हन को घर लाए,
जितने सारे अपने थे वो,
हो गए सारे पराए,
दूध पिये वाले देखो वो,
दूध पिये वाले देखो वो,
करने लगे विषपान,
कोई नहीं मात पिता के समान।

याद करो तुम मीठी लोरी,
परियों की वो कहानी,
भूल तुम प्यार की बगियाँ,
इतनी बड़ी कुरबानी,
'मंजुल' तुम नालायक निकले,
Bhajan Diary Lyrics,
'मंजुल' तुम नालायक निकले,
बहुत बड़े बेईमान,
कोई नहीं मात पिता के समान।

कोई नहीं मात पिता के समान,
जिनको भूल के हरि को ढूँढे,
जिनको भूल के हरि को ढूँढे,
है कैसा नादान,
कोई नहीं मात पिता के समान।

Singer – Murlidhar Ji Maharaj